नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय में कोहा ओपन सोर्स सॉफ्टवेअर कार्यशाला उदघाटित

पुस्तकालय प्रबंधन हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग जरूरी - कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा दि. 9 अक्तूबर 2015: सूचनाओं के आदान-प्रदान में आयी तेजी से पुस्तकालय का कामकाज भी प्रभावित हो रहा है। पुराने तौर तरीकों से अब पुस्तकालय का प्रबंधन करना कठीण कार्य हो गया है, ऐसे में नई तकनीकों और प्रौद्योगिकी का उपयोग कर पुस्तकालय प्रबंधन करना चाहिए ताकि पुस्तकालय दी जाने वाली सेवाओं में तेजी आ सके। उक्त बातें महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कही। वे विश्वविद्यालय के महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय की ओर से 'कोहा ओपन सोर्स सॉफ्टवेअर' पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के उदघाटन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. मैत्रेयी घोष मंचासीन थे।

कुलपति ने कहा कि पुस्तकालय का सीधा संबंध अब प्रौद्योगिकी से जुड़ गया है और इससे संबंधित प्रबंधन में पूर्व की भांति काफी बदलाव भी आए है। पुस्तकालय का उपयोग बढ़ाने और उपभोक्ताओं को शीघ्र सेवा प्रदान करने के लिए कुशल कर्मियों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। बदलाव और सूचना के विस्फोट के जिस युग में हम कार्य कर रहे है इसका कोई विकल्प नहीं है और नव-परिवर्तन के साथ

चलना अनिवार्यता हो गयी है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय की बड़ी-बड़ी इमारतें और किताबों के भव्य भंडारों का महत्व आज के सूचना के युग में कम होते दिख रहा है, ऐसे में हमें तकनीकी और सूचनाओं की आवश्यकता के अनुसार ही पुस्त्कालय बनाने होंगे।

प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कहा कि ज्ञान अर्जित करने का महत्वपूर्ण स्रोत पुस्तकालय है और पुस्तकालय में रखी पुस्तकों का सही प्रबंधन होना समय की जरूरत है। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के अलावा अन्य महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के पुस्तकालय कर्मियों को शामिल किए जाने पर उन्होंने प्रसंन्नता व्यक्त की और कहा कि इस प्रयास से विश्वविद्यालय की योजनाओं के विस्तार में मदद मिलेगी।

एनआईटी राउरकेला के सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष विनोद मिश्र ने कोहा सॉफ्टवेअर के उपयोग और उसकी महत्ता पर अपने विचार रखे। कार्यशाला में विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं वर्धा के महाविद्यालयों के पुस्तकालय से जुड़े कर्मी प्रमुखता से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मैत्रेयी घोष ने किया। अतिथियों का स्वा गत सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष आनंद मण्डित मलयज, शील खांडेकर, नटराज वर्मा आदि ने किया।